Training programme on "Bamboo Nursery and Management" Under BTSG-ICFRE funded by National Bamboo Mission, New Delhi from 2^{nd} December -7^{th} December 2019

Training on Bamboo Nursery and Management was organized by Genetics and Tree Improvement Division, Tropical Forest Research Institute, Under BTSG-ICFRE funded by National Bamboo Mission, New Delhi from 2nd December – 7th December 2019. The programme was initiated by lighting the lamp by the Director, TFRI and other dignitaries. Dr. Fatima Shirin, Scientist-F and Training Coordinator briefed the trainees about the importance of bamboos, their propagation, various initiatives of Government and its role in employment generation. Dr. G. Rajeshwar Rao addressed the gathering, welcomed the trainees and asked the trainees to be completely involved and use the time to learn about diverse aspects of bamboo.

Trainees from diverse fields attended the training program. During this training different activities related to bamboo propagation, nursery raising and nursery management were covered. Propagation of bamboos was explained in detail with hands-on training for clonal propagation through culm cuttings, culm branch cuttings, offset planting and air layering. Raising seedlings through seeds was also taught. Mass multiplication of bamboos through tissue culture was also explained. Field tours were conducted to large scale plantations raised by progressive farmers and marketing possibilities of bamboo poles was explored. Bamboo nurseries and Agarbatti making unit was visited by the trainees. The government subsidies which could be availed by them through respective Bamboo Missions and NABARD were brought to their knowledge.

The valedictory function was held on 7th December 2019 under the chairmanship of Dr. G. Rajeshwar Rao, Director, TFRI, Jabalpur. In the feedback, the participants thanked TFRI for organizing such an excellent and diversified training course on Bamboo Nursery and Management. They especially appreciated the exposure visit to different places which provided them clear understanding to start entrepreneur for livelihood. The training was given wide media coverage and generated interest for future training programs on different aspects of bamboo.









Inauguration of Training on 2nd December 2019









Lectures during training programme





Activities during training programme



Field trip to Ranga plantation, Jabalpur



Field trip to Green Bamboo Nursery and Agarbatti making unit, Jabalpur







Valedictory programme

बांस की खेती से परिचित होंगे युवा, उद्यमी और किसान

उष्णकिटबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में बांस नर्सरी और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

जबलपुर = राज न्यूज नेटवर्क

बांस क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देने के उद्देश्य को लेकर उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, टीएफआरआई द्वारा बांस नर्सरी और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कावक्रम का शुभारभ किया गया हुई जी. मौके पर संस्थान निदशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने बताया कि इस प्रशिक्षण में युवाओं, उद्यमियों और किला बांच की खेती के लिए बेहतर रोपण सामग्री तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। बांस

ाधित किया जाएगा। यास निकी अदस्थान समुह-भारतीय निकी अदस्थान और शिक्षा परिष्ट अतर्गत बस नस्सी और ग्रवधन इक दिनों का प्रतिखण कार्यक्रम गर्शीय बांस मिशन एनबीए नई दिल्ली द्वारा सत्त पाँचत है। उद्धटन के दौरान अर्जिश्ययों द्वारा बांस नस्सी और प्रबंधन दिक्कण मैनुअल का विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र डॉ. राख ने जिनमिश्यों को गुणवत्ता वाले बांस के उत्पादन के लिए रोपण सामग्री के

महत्व के बारे में बताया। डॉ. फातिमा शिरीन, वैज्ञानिक और प्रशिक्षण समन्वरक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुसूची के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. अरुण कुमार, गीता जोशी, प्रमोद कुमार विवारी, प्रगतिशील किसान, उद्यमी और विभिन्न यूनिवर्सिटीज के छात्र मौजूद रहे।

CityLine

Training on bamboo nursery, mgmt begins



TRAINING PROGE

ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में बांस नर्सरी और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर। बाँस क्षेत्र के विकास में योगदान देने के उद्देश्य से उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर द्वारा बांस तकनीकी सहायता समूह, भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के अंतर्गत बाँस नर्सरी और प्रबंधन पर छह दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित हो रहे इस प्रशिक्षण में युवाओं, उद्यमियों और किसानों को अपनी आजीविका के लिए बांस की खेती के लिए बेहतर रोपण सामग्री तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान, डॉ. जी. राजेश्वर राव,

निदेशक टीएफआरआई ने प्रतिभागियों का स्वागत किया गुणवत्ता वाले बांस के उत्पादन के लिए रोपण सामग्री के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने क्षेत्रों में प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए गुणवत्ता को अपने क्षेत्रों में प्रशिक्षण के दौरान सीख गए गुणवता वाले बांस के उत्पादन द्वारा अपनी आय को अधिकतम करने के लिए भी प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. फातिमा शिरीन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुसूची के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में विभिन्न संस्थानों के लगभग 25 छात्र भाग ले रहे हैं। उद्घादन के दौरान डॉ. अरुण कुमार, गीता जोशी, प्रमोद कुमार तिवारी, नसीर मोहम्मद सहित अन्य वैज्ञानिक और संस्थान के अधिकारी भी उपस्थित थे।

TheHitavada

Jabalpur City Line | 2019-12-08 | Page- 6

Training on Bamboo Nursery and Mgmt ends

Staff Reporter

SIX-DAY training on Bamboo
Nursery and Management concluded at Tropical Forest Research
Institute (TFRI). During the valedictory session of the training
dictory session of the training
training training training training training
training and training training training
towards zeal and hard work of the
participants. Encouraging the
participants. Encouraging the
subsidies provided by various
agencies like NABARD, State
Bamboo Mission etc., he assured
tance for cultivation and extension of Bamboo.
Dr. FatimaShirin, Scientist and

sion of Bamboo.
Dr. FatimaShirin, Scientist and Training coordinator presented glimpses of the training and briefed about the events of the training program. She elaborated about the led visits conducted during training programme at



TFRI Director Dr G Rajeshwar Rao distributing certificates and mementos to the participants for the training on Bamboo Nurse

er and shade houses to give first-and experience about tissue cul-ure, micro-propagation and narketing of Bamboos. The participating farmers howed interest in applying nowledge of the training on their leds and low

with the crops while students appreciated the practical expe-rience and learning from the training. The valedictory func-tion concluded by distribution of certificates and mementos to the participants. Itwas compared by Dr Naseer Mohammad and vote of thanks was extended by

युवाओं को बताई टिशू कल्चर पौधे की तकनीक



जबलपुर • उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में बांस की नर्सरी और प्रबंधन पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में युवाओं ने बांस की खेती से तरक्की के गुर सीखे। प्रतिभागियों को नाबार्ड, राज्य बांस मिशन आदि एजेंसियों की ओर से दी जाने वाली सब्सिडी की जानकारी भी दी गई। संस्थान के निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने कहा, बांस की उन्नतिशील प्रजातियों की नर्सरी और खेती

दोनों फायदेमंद है। इसके लिए पर्याप्त जानकारी होना आवश्यक है। वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. फातिमा शिरीन ने प्रशिक्षण के दौरान सिखाई गई ऊतक संवर्धन, टिशू कल्चर, माक्रोप्रोपेगेशन और बांस के विपणन के लिए निजी फार्म्स में बांस प्रदर्शन प्लाट, धुंध कक्ष और छायाघरों में किए गए दौरे के बारे में बताया। कार्यक्रम के समापन में डॉ. नसीर मोहम्मद, डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी भी उपस्थित थे।

Powered by Bharati Web Pvt Ltd



operation Mon, 09 December 2019 epaper.patrika.com/c/46670085

